संघ परिवार के कारण बेहद मजबूत है इंदौर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा का संगठनात्मक ढांचा

संघ और पारिवारिक संगठनों के आंदोलन का लाभ हमेशा भाजपा को मिला है

मिलिंद मुजुमदार

इंदौर. भाजपा के चुनाव अभियान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महत्वपूर्ण भूमिका रहती आई है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भाजपा का मातृ संगठन कहलाता है. संघ सीधा राजनीति में भाग नहीं लेता और ना ही प्रत्यक्ष तौर पर हस्तक्षेप करता है लेकिन संघ द्वारा भेजे गए पूर्णकालिक कार्यकर्ता यानी प्रचारक भाजपा में संगठन मंत्री के तौर पर काम करते हैं. यह संगठन मंत्री भाजपा को संघ की इच्छा से अवगत कराते हैं. राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा द्वारा भेजे गए बीएल संतोष संगठन महामंत्री का दायित्व निभा रहे हैं तो प्रदेश स्तर पर यही दायित्व हितानंद देख रहे हैं.

यदि महेंद्र हार्डिया, तुलसी सिलावट और हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं को छोड़ दिया जाए तो भाजपा के सभी मौजूदा विधायक, सांसद और अधिकांश नेता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से ही सार्वजनिक जीवन में आए हैं. इनमें से अधिकांश ने छात्र जीवन में संघ की विद्यार्थी शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में काम किया है. ऐसे नेताओं में सुमित्रा महाजन, कैलाश विजयवर्गीय, कृष्ण मुरारी मोघे, मालिनी गौड़, रमेश मेंदोला, उषा ठाकुर, आकाश विजयवर्गीय, सुदर्शन गुप्ता, राजेश सोनकर जैसे नेता शामिल हैं.

2024 के लोकसभा चुनाव में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निगरानी में ही भाजपा का चुनाव अभियान चलेगा. भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी शंकर लालवानी के पिता और उनके दादा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नागपुर में हाल ही में संपन्न अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में यह तय किया गया है कि इस बार मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए संघ के कार्यकर्ता काम करेंगे. जाहिर है संघ के अभियान का लाभ भाजपा को मिलेगा.

सुमित्रा महाजन | कैलाश विजयवर्गीय | लक्ष्मण सिंह गौड़ | कृष्ण मुरारी मोघे | रमेश मेंदोला

राम जन्मभूमि आंदोलन के कारण इंदौर का राजनीतिक चरित्र बदला – 1987, 88 में तेज हुए राम जन्मभूमि मुक्ति के आंदोलन के कारण इंदौर का राजनीतिक चरित्र पूरी तरह से बदल गया. सामाजिक विषमता के आधार पर पिछड़ी मानी गई जातियों ने बढ़-चढ़कर राम जन्मभूमि आंदोलन में हिस्सा लिया. इस दौरान शहर में संघ के कार्य का जबरदस्त विस्तार हुआ. कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगी और शहरी मध्यम वर्ग भाजपा की ओर आकर्षित हुआ. 1990 के बाद से इंदौर शहर में पूरी तरह से भाजपा का वर्चस्व लगातार बना हुआ है. चुनावी राजनीति की बात करें तो 1989 में राम जन्म भूमि आंदोलन के कारण हुए दंगों के कारण बंबई बाजार के कुख्यात बाहुबली बाला बेग ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की.

राम जन्मभूमि आंदोलन की पृष्ठभूमि में हुए इस चुनाव में अल्पसंख्यक मतदाताओं ने बाला बेग को एक तरफा समर्थन दिया. नतीजे में उन्हें लोकसभा चुनाव में 88,000 मत प्राप्त हुए. सामान्य चुनाव में यह सभी मत कांग्रेस को मिलते, लेकिन विशेष परिस्थिति में हुए लोकसभा चुनाव के कारण निर्दलीय प्रत्याशी को इतने अधिक मत मिले नतीजे में कांग्रेस के प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री प्रकाश चंद्र सेठी पहली बार चुनाव लड़ रही सुमित्रा ताई महाजन से हार गए. ये लोकसभा चुनाव इंदौर की राजनीति के लिए बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ.

इसी चुनाव से इंदौर जिले में कांग्रेस के पतन की और भाजपा के उत्थान की शुरुआत हुई.

मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट देना कांग्रेस की निर्णायक भूल

1989 के लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद 6 महीने के भीतर 1990 में विधानसभा चुनाव हुए . इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने क्षेत्र क्रमांक 4 में मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट देने की निर्णायक भूल कर दी . कांग्रेस ने कलेक्टर से राज्यसभा सांसद बने अजीत जोगी की सिफारिश पर मोहम्मद इकबाल खान को चार नंबर से टिकट दे दिया . मोहम्मद इकबाल खान की उम्मीदवारी के कारण पूरे पश्चिमी इंदौर में ध्रुवीकरण हो गया . नतीजे में कैलाश विजयवर्गीय बिना प्रचार किए 27000 के लगभग मतों से विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 4 से विजयी हुए . कैलाश विजयवर्गीय दरअसल प्रचार ही नहीं कर पाए क्योंकि नामांकन फॉर्म जमा करने के दूसरे दिन उनके पिता का निधन हो गया . कैलाश विजयवर्गीय के चुनाव प्रचार का सारा मोर्चा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में उनके साथ काम कर चुके लक्ष्मण सिंह गौड़ ने संभाला . लक्ष्मण सिंह गौड़ इस चुनाव से पूरे विधानसभा क्षेत्र में स्थापित हो गए . भाजपा ने 1990 के बाद हुए 1993 के विधानसभा चुनाव में कैलाश विजयवर्गीय को क्षेत्र क्रमांक 2 में शिफ्ट किया . 1993 में यहां से लक्ष्मण सिंह गौड़ को उतारा गया जिन्हें लखन दादा के नाम से क्षेत्र में लोकप्रियता हासिल थी . लक्ष्मण सिंह गौड़ ने वह चुनाव आसानी से 30,000 से अधिक मतों से जीता . इसके बाद 1998 और 2003 में भी लक्ष्मण सिंह गौड़ ने जीत हासिल कर विधायक बनने की हैट्रिक जमाई . फरवरी 2008 में उनका एक सड़क हादसे में दुर्भाग्यपूर्ण निधन हो गया . राजेंद्र धरकर, श्रीवल्लभ शर्मा, निर्भय सिंह पटेल, नारायण राव धर्म, सत्यवान सिंघल, उत्सव चंद पोरवाल जैसे नेताओं की पीढ़ी के बाद कैलाश विजयवर्गीय, लक्ष्मण सिंह गौड़, प्रकाश सोनकर, सुमित्रा महाजन, गोपी कृष्णा नेमा जैसे नेताओं ने भाजपा संगठन को इंदौर शहर में अजेय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की . 1990 के बाद संघ परिवार का भी प्रभाव इंदौर जिले में जबरदस्त रूप से विस्तारित हुआ . इसका राजनीतिक असर भी न केवल इंदौर जिले में बल्कि पूरे मालवा और निमाड़ अंचल में हुआ .

निमाड़ की बजाय मालवा अंचल अधिक चुनौतीपूर्ण है कांग्रेस के लिए

टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस पिछड़ गई है. इंदौर उज्जैन संभाग की बात करें तो कांग्रेस ने टिकट वितरण में काफी देर कर दी. हालांकि अब केवल खंडवा सीट पर ही घोषणा बाकी हैं. निमाड़ अंचल में कांग्रेस अपेक्षाकृत अच्छी स्थिति में है, लेकिन मालवा अंचल में ऐसा नहीं है. मालवा अंचल कांग्रेस के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण है.

कांग्रेस ने देवास शाजापुर की सीट पर राधाकिशन मालवीय के पुत्र राजेंद्र मालवीय को उतारा है. राजेंद्र मालवीय को कमजोर माना जा रहा है. सज्जन सिंह वर्मा के समर्थकों का उनको पूरा समर्थन नहीं मिल रहा है. संघ परिवार का भी यहां जबरदस्त नेटवर्क है. दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के कारण उज्जैन संभाग राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होता जा रहा है. उज्जैन संभाग पर सभी की निगाहें हैं. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव खुद उज्जैन के विकास के लिए फोकस किए हुए हैं. कार्तिक मेले को ग्वालियर मेले की तर्ज पर व्यापारिक रूप से महत्वपूर्ण बनाया जा रहा है. हाल ही में उज्जैन में इन्वेस्टर समिट संपन्न हुई. 2028 के सिंहस्थ की अभी से तैयारी की जा रही है. महाकाल लोक के कारण वैसे ही उज्जैन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो गया है. मुख्यमंत्री उज्जैन को धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से और समृद्ध करना चाहते हैं तथा इसे व्यापारिक नगरी के रूप में भी विकसित करना चाहते हैं. चुनावी दृष्टिकोण से देखें तो संभाग में चार प्रमुख लोकसभा क्षेत्र हैं. इनमें उज्जैन-आलोट, रतलाम-झाबुआ, मंदसौर और शाजापुर-देवास शामिल हैं. लोकसभा चुनाव के लिए दोनों प्रमुख सियासी दल इन चार सीटों पर जीत के लिए मैदान में जुट गए हैं. टिकट वितरण के मामले में भाजपा एक कदम आगे निकल गई है. भाजपा ने इस संभाग की सभी चार लोकसभा सीटों के प्रत्याशी कांग्रेस से पहले घोषित किए.

पिछले दो चुनावों के परिणाम भाजपा के पक्ष में रहे इसलिए पार्टी यहां प्रयोग करने से नहीं हिचक रही थी, वहीं कांग्रेस 2009 की यादों के साथ अपने खोए जनाधार के लिए मशक्कत करती दिखाई दे रही है .मालवा की इन चार प्रमुख सीटों की बात करें तो 2014 और 2019 में हुए चुनाव में सभी पर भाजपा प्रत्याशी जीते थे. खास बात यह है कि 2009 के चुनाव में इन चार सीटों पर कांग्रेस ने अपना परचम लहराया था, लेकिन उसके बाद कांग्रेस अपना प्रदर्शन दोहरा नहीं पाई. हाल में हुए विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का प्रदर्शन उम्दा रहा है. ऐसे में कांग्रेस के लिए यहां अपनी जड़ें खोजना मुश्किल काम दिखाई दे रहा है. बहरहाल,विधानसभा चुनाव की तरह ही लोकसभा चुनाव में भाजपा अलग-अलग प्रयोग कर रही है. उम्मीदवार चयन में यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है. चार में से दो सीटों पर पिछले बार के प्रत्याशी को ही उतारा गया है. वहीं रतलाम सीट पर वर्तमान सांसद का टिकट काट महिला प्रत्याशी को टिकट दिया गया है. जबकि उज्जैन से अनिल फिरोजिया को फिर से उतारा गया है.

भाजपा ने साउथ की पॉलिटिक्स में चल दिया बड़ा दांव

पहले से ही हाई प्रोफाइल चेन्नई को बना दिया और खास

चेन्नई. लोकसभा चुनाव 2024 से पहले दक्षिण भारत की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बड़ा दांव चला है. पार्टी ने वहां एक पूर्व राज्यपाल को टिकट देकर हाई प्रोफाइल मानी जाने वाली साउथ चेन्नई सीट को और भी खास बना दिया है.

तमिलनाडु में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में इस सीट पर द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक), अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा. वहां दो महिलाओं और एक पूर्व सांसद के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना है. द्रमुक की निवर्तमान सांसद टी. सुमती उर्फ तमिझाची थंगापांडियन का मुकाबला तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल और भाजपा की उम्मीदवार तमिलिसाई सौंदरराजन और 2014 में वहां जीत हासिल करने वाले अन्नाद्रमुक (अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के पूर्व सांसद डॉ. जे. जयवर्धन से होगा.

खुश हैं तमिलिसाई! दावा- जीतेंगे यह सीट – तमिलिसाई कुछ दिनों पूर्व राज्यपाल पद से इस्तीफा देकर फिर से भाजपा में शामिल हो गई थीं, जिसके बाद उन्हें इस सीट से उम्मीदवार बनाया गया. उन्होंने जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि 40 वर्ष तक वहां रहने के कारण वह इस संसदीय क्षेत्र की समस्याओं से अवगत हैं.

...तो इस वजह से भी खास है साउथ चेन्नई सीट

दक्षिण चेन्नई में कई नामचीन शिक्षण संस्थान और आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) कंपनियां हैं . इस क्षेत्र में आईटी पेशेवर, उद्यमी, व्यापारी और कई अन्य पेशों के लोग रहते हैं और मानसून के दौरान यहां जलभराव, अनियमित बिजली आपूर्ति और सड़कें खराब होने की समस्या होती है . पिछले साल दिसंबर में हुई बारिश के प्रभाव के कारण भीषण बाढ़ आई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया . इस दौरान खड़ी कारों के बह जाने के कई वीडियो सोशल मीडिया मंचों पर सामने आए .

विशेष | लोकसभा के लिए भाजपा, कांग्रेस और बहुजन ने प्रत्याशी मैदान में उतारे

सतना संसदीय क्षेत्र के उलझते राजनीतिक समीकरण

डॉ संजय पयासी

सतना.जातीय समीकरणों में उलझी विंध्य की राजनीतिक कड़ियाँ विधानसभा चुनाव की तरह ही फिर गूँधती जा रही है. सतना संसदीय क्षेत्र के लिए प्रदेश में सक्रिय सभी प्रमुख राजनैतिक दलों ने अपने प्रत्याशी घोषित कर नामांकन के पहले ही माहौल को गरमा दिया है.

गौरतलब है कि पिछले तीस साल से भारतीय जनता पार्टी के कब्जे में सतना संसदीय क्षेत्र कभी कांग्रेस के लिए चुनौती विहीन हुआ करता था. कांग्रेस के विभाजन के बाद जातीय समीकरणों के ध्रुवीकरण ने लोकसभा क्षेत्र की तस्वीर और तासीर दोनों बदल दी है. औद्योगिक सम्पन्नता के बाद भी महानगरीय संस्कृति से कोसों दूर इस क्षेत्र के विकास की अपार सम्भावना है. विधानसभा चुनाव के पहले

गणेश सिंह | सिद्धार्थ कुशवाहा

दो हिस्सों में बट चुके इस संसदीय क्षेत्र की जनता इसके लिए पूरी तरह से तैयार नही थी.फिर भी राजनैतिक तुष्टिकरण के चलते जिले की सीमा को दो हिस्सों में बाँट दिया गया .उसका परिणाम यह हुआ की नए जिले की दो विधानसभा में से एक को सत्तारुढ़ दल को तब गवाने के लिए मजबूर होना पड़ा जब प्रदेश के राज्यमंत्री को चुनाव मैदान में उतारा गया था.हालांकि जिले के शेष हिस्से में दो सीटों का फायदा भी हुआ चित्रकूट एक बार फिर जीतने में सफल रही,जबकि कांग्रेस के कब्जे में गई रेगॉव सीट भी वापस छीन ली. छह महीने बाद हो रहे लोकसभा चुनाव की तस्वीर विधानसभा चुनाव से मिलती जुलती ही है.

भाजपा ने पांचवी बार राजनैतिक समीकरणों को ध्यान में रखते सांसद गणेश सिंह पर ही विश्वास व्यक्त किया है. हालांकि इस बार लोकसभा के लिए पार्टी फोरम में दावेदारी जताने वालों की फेहरिस्त एक दर्जन से भी ज्यादा थी. दूसरी तरफ कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार जनता की अदालत में अपनी ओर से दो बार के विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा को उतरने का फैसला किया है. प्रदेश में सत्ता गवाने के बाद भी लगातार तीन चुनाव में एक ही व्यक्ति की दावेदारी से निराश जिले की कांग्रेस का बड़ा धड़ा पार्टी से पलायन करता नजर आ रहा है.गुजरे एक दो दिनों के दौरान कई बड़े दिग्गजों ने राजधानी में आयोजित समारोह में अपनी उपस्थिति भाजपा में दर्ज करा दी है. आगे भी कुछ लोगों के शामिल होने की सम्भावना है. हालांकि श्री कुशवाहा ने पिछले तीन चुनाव नेताओ के विरोध के बावजूद अकेले कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से ही लड़े हैं.

बसपा से तीसरे प्रत्याशी के रूप में नारायण त्रिपाठी

तीसरे प्रत्याशी के रूप में मैदान में आए मैहर विधानसभा के पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी ने इस बार बहुजन समाज पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. अब तक मैहर विधानसभा की राजनीति करने वाले श्री त्रिपाठी दूसरी बार लोकसभा में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. समाजवादी पार्टी,कांग्रेस और भाजपा से विधायक चुने जा चुके श्री त्रिपाठी के सक्रिय सभी राजनैतिक दलों के क्षेत्रीय नेताओं के बीच खासी पैठ है . जानकारों की माने तो सतना लोकसभा चुनाव के मैदान में आगे भी कई बड़े चेहरे चुनाव मैदान में आ सकते हैं . इसके बाद राजनैतिक समीकरण क्या होंगे यह समय ही बतायेगा .

व्यापार

सेंसेक्स 526 और निफ्टी 118 .95 अंक उछला

रिलायंस ने दी बाजार को उड़ान

मुंबई 27 मार्च (वार्ता) विश्व बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार जारी गिरावट और स्थानीय स्तर पर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में चालू खाता घाटा कम होने से रिलायंस, मारुति, एचडीएफसी बैंक, एलटी, एनटीपीसी और टाटा स्टील समेत अठारह दिग्गज कंपनियों में करीब चार प्रतिशत की तेजी से आज शेयर बाजार ने उड़ान भरी.

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 526.01 अंक अर्थात 0.73 प्रतिशत की छलांग लगाकर 72,996.31 अंक पर पहुंच गया. साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 118.95 अंक यानी 0.54 प्रतिशत उछलकर 22,123.65 अंक पर बंद हुआ. इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.01 प्रतिशत बढ़कर 39,079.54 अंक और स्मॉलकैप 0.70 प्रतिशत मजबूत होकर 43,026.00 अंक पर रहा. इस दौरान बीएसई में कुल 3949 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1524 में लिवाली जबकि 2314 में बिकवाली हुई वहीं 111 में कोई बदलाव नहीं हुआ. इसी तरह निफ्टी की 22 कंपनियां हरे जबकि 27 लाल निशान पर बंद हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे. भारत के चालू खाते का घाटा वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 10.5 अरब डॉलर रहा, जो पिछली तिमाही के 11.4 अरब डॉलर और 2022-23 की तीसरी तिमाही के 16.8 अरब डॉलर से कम है. इससे बाजार को बल मिला और बीएसई के 14 समूह चढ़ गए. इस दौरान सीडी 0.53, ऊर्जा 0.66, वित्तीय सेवाएं 0.32, हेल्थकेयर 0.24, इंडस्ट्रियल्स 0.97, दूरसंचार 0.45, ऑटो 0.66, बैंकिंग 0.46, कैपिटल गुड्स 1.00, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.98, तेल एवं गैस 0.07, पावर 0.67, रियल्टी 0.93 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.01 प्रतिशत मजबूत रहे.

अप्रैल से नया दिशात्मक रूख की उम्मीद

विश्लेषकों के अनुसार, बाजार में अभी कुछ दिनों तक सुदृढ़ीकरण मोड जारी रहने की संभावना है और फिर अप्रैल से बाजार के एक नया दिशात्मक रुख अपनाने की उम्मीद है . मजबूत आर्थिक बुनियादों के समर्थन से बाजार का रुख तेजी का बना हुआ है . अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा . इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0 .30, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1 .98, हांगकांग का हैंगसेंग 1 .36 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1 .26 प्रतिशत लुढ़क गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0 .24, जापान के निक्केई में 0 .90 प्रतिशत की बढ़त रही .

फ़र्ज़ी पेमेंट के स्क्रीनशॉट से बरतें सावधानी

मुंबई, 27 मार्च. फ़र्ज़ी स्क्रीनशॉट धोखाधड़ी किसी मर्चेंट के लिए वास्तव में बहुत बड़ी एक समस्या है, इस समस्या को विशेष रूप से भीड़भाड़ वाली फूड स्ट्रीट या मेले में किसी वेंडर को सामना करना पड़ता है , जहाँ पर सैकड़ों लोग जमा होते हैं. ऐसे में पेमेंट को कन्फर्म करना बहुत ही मुश्किल होता है और यहीं पर मौके का फायदा उठाकर धोखेबाज़ भोलेभाले लोगों को धोखा देने का काम करते हैं. फर्जी स्क्रीनशॉट धोखाधड़ी में एक धोखेबाज पीड़ित को धोखा देने के लिए, पेमेंट प्रक्रिया पूरा हो गया है और राशि उनके खाते में जमा हो गया है.

मॉर्गन स्टेनली ने जीडीपी के पूर्वानुमान को बदला

6 .5 प्रतिशत के अनुमान को बढ़ाकर 6 .8 फीसदी किया

नयी दिल्ली, 27 मार्च. एसएंडपी ग्लोबल के बाद, मॉर्गन स्टेनली ने भी वित्तीय वर्ष 2024-25 (वित्तीय वर्ष) के लिए भारत के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को संशोधित कर 6.8 प्रतिशत प्रतिशत कर दिया है. यह कंपनी के पिछले पूर्वानुमान 6.5त्न से अधिक है.

फर्म ने चालू वित्त वर्ष वित्तीय वर्ष24 के लिए विकास दर के पूर्वानुमान को संशोधित कर 7.9 प्रतिशत कर दिया है. एजेंसी का यह संशोधित अनुमान भारत की आर्थिक स्थिति पर एक आशावादी दृष्टिकोण के मद्देनजर सामने आया है. मॉर्गन स्टेनली ने देश की ताकत और स्थिरता पर अपना भरोसा जताया है.

मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि का दृष्टिकोण मजबूत बना हुआ है. उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (तिमाही-24) में विकास दर लगभग 7 प्रतिशत रहेगी. एजेंसी के रुझानों के अनुसार हेडलाइन मुद्रास्फीति में नरमी के संकेत मिल रहे हैं.

आम चुनाव और नीतियों में बदलाव का असर

सकारात्मक आर्थिक परिदृश्य के बावजूद मॉर्गन स्टैनली ने वैश्विक कारकों और घरेलू अनिश्चितताओं से उत्पन्न संभावित जोखिमों को भी रेखांकित किया है . उम्मीद से धीमी वैश्विक वृद्धि, जिंसों की ऊंची कीमतें और सख्त वैश्विक वित्तीय हालात भारत की वृद्धि और वृहद आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं . घरेलू स्तर पर आम चुनावों और नीतियों में बदलाव से पड़ने वाले असर पर करीबी निगरानी रखने की आवश्यकता है .

सेल्सफोर्स और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की साझेदारी

मुंबई, 27 मार्च, (वार्ता) सीआरएम समाधान प्रदाता सेल्सफोर्स ने एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ गठबंधन की है. कंपनी ने आज यहां कहा कि गठबंधन का उद्देश्य बैंक के वाहन लोन के ग्राहकों के लिए एडवांस्ड डिजिटल कस्टमर ऑनबोर्डिंग सॉल्यूशन का क्रियान्वयन करना है. इस साझेदारी से टेक्नोलॉजी अपनाने की एयू एसएफबी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है, ताकि ग्राहक के साथ जुड़ाव बढ़ाकर ऑपरेशनल एफिशियंसी में सुधार लाया जा सके. इस सहयोग के साथ बैंक अपने ग्राहकों द्वारा क्रेडिट एवं ऑपरेशंस का पूरा सफर एक ही प्लेटफॉर्म पर ले आएगा.

हिताची कूलिंग एण्ड हीटिंग ने पेश किए नए एसी

नयी दिल्ली, 27 मार्च (वार्ता) प्रीमियम एयर-कंडीशनर ब्राण्ड 'हिताची कूलिंग एण्ड हीटिंग 'ने एयरकंडीशनर नई रेंज पेश करने की घोषणा की है.

जापानी डिज़ाइन एवं इनोवेशन से प्रेरित जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड ने आज यहां जारी बयान में कहा कि रेंज के साथ हिताची ने पीक सीज़न में तेज़ी से विकास का लक्ष्य रखा है. मॉडल, क्षमता और फीचर्स के आधार पर एयर कंडीशनर किफायती है. कंपनी के प्रबंध निदेशक संजय सुधाकरण ने कहा, ''जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड में हम इनोवेशन की सभी सीमाओं को पार कर उपभोक्ताओं को कूलिंग का शानदार अनुभव प्रदान करते हैं. भव्य डिज़ाइन और आधुनिक टेक्नोलॉजी से बनी हमारे प्रोडक्ट्स की नई रेंज आराम, दक्षता एवं विश्वसनीयता के नए मानक स्थापित करती है. हर निर्माण के साथ हम जापानी कारीगरी, तकनीकी दक्षता, बेहतरीन लुक के धागों को बुनकर न सिर्फ एयर कंडीशनिंग के समाधान लेकर आते हैं बल्कि आधुनिक उपभोक्ताओं को बेजोड़ अनुभव भी प्रदान करते हैं.

माइक्रोसॉफ्ट विंडोज और सरफेस का फिर से किया गया विलय

आईआईटी मद्रास के पवन दावुलुरी करेंगे नेतृत्व

नयी दिल्ली, 27 मार्च. माइक्रोसॉफ्ट ने एक बार फिर विंडोज और सरफेस टीमों का आंतरिक रूप से विलय कर दिया है. आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र पवन दावुलुरी को इसके नेतृत्व के लिए नियुक्त किया गया है.

विंडोज सेंट्रल नामक एक समाचार साइट जो माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ी खबरों को ट्रैक करती है ने यह जानकारी दी है. उनके अनुसार दोनों टीम कुछ समय के लिए अलग हो गईं थीं. विंडोज और सरफेस टीमों का पुनर्मिलन माइक्रोसॉफ्ट के इंजीनियरिंग और डिवाइस संगठन के भीतर एक परिचित संरचना की वापसी की तरह है, इसकी अध्यक्षता राजेश झा कर रहे थे. पवन दावुलुरी, जो पहले माइक्रोसॉफ्ट के हार्डवेयर से जुड़े काम की देखरेख करते थे अब विंडोज इंजीनियरिंग का भी नेतृत्व करेंगे. यह फेरबदल पिछले सितंबर में पूर्व-विंडोज और सरफेस प्रमुख पैनोस पनाय के जाने के बाद हुआ है, जिनकी भूमिका प्रभावी रूप से दावुलुरी और मिखाइल पारखिन के बीच विभाजित कर दी गई थी.परखिन ने माइक्रोसॉफ्ट में वेब और विज्ञापन के सीईओ के रूप में अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों के साथ-साथ बिंग, एज और कोपॉयलट जैसे उत्पादों की देखरेख करते हुए विंडोज का कार्यभार संभाला. हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट के भीतर हाल के घटनाक्रम के तहत एक नए एआई डिवीजन के सीईओ के रूप में डीपमाइंड के सह-संस्थापक मुस्तफा सुलेमान की नियुक्ति भी की गई है.